*[Bala]manorama Series No. 45.*

॥ श्रीः ॥

# ॥ धातुरूपावलिः ॥

# DHĀTU RUPĀVALI



Edited by

C. Sankara Rama Sastri, M.A., B.L.,

---

Printed and Published By
THE SRI BALAMANORAMA PRESS,
MYLAPORE, MADRAS.

---

Price] 1948 [8 Annas

*Sri Balamanorama Series No.*

॥ श्रीः ॥

# ॥ धातुरूपावलिः ॥

# DHĀTU RŪPĀVALI



Edited by

C. Sankara Rama Sastri, M.A., B.L.,

Printed and Published By
THE SRI BALAMANORAMA PRESS,
MYLAPORE, MADRAS.

Price]. 1948 [8 Annas

# PREFACE.

Pāṇini divides Sanskrit words into two classes—सुबन्त and तिङन्त. Indeclinables too are by a sort of grammatical fiction included under the head of सुबन्त. सुप् is the suffix which a प्रातिपदिक or noun-stem takes to yield a finite noun or adjective, and तिङ् is the suffix which a धातु or root takes to give rise to a final predicate. The final forms of nouns and adjectives are given in Śabda Mañjarī; and Dhātu Rūpāvalī, the present work, sets out the final forms of predicates of certain typical roots.

There are three kinds of roots in Sanskrit, some taking Parasmaipada terminations, some taking Ātmanépada terminations and some taking both. The distinction of roots as परस्मैपदी, आत्मनेपदी or उभयपदी can be gathered from the Dhātu Pāṭha of Pāṇini. Roots are classified under ten groups (गणs)—भ्वादि and others, and as such they belong to ten different conjugations. The basic suffixes added on to roots to form final predicates are 18 in number, 9 for the

Parasmaipadī roots and 9 for the Ātmanepadī roots, used as such in the Present tense with certain modifications in other tenses and moods.

In Sanskrit there are ten लकारs or tenses and moods:—लट्, लिट्, लुट्, लृट्, लेट्, लोट्, लङ्, लिङ्, लुङ्, लृङ्. The fifth लकार viz., लेट् is used only in Vedas. Nevertheless the number 10 is kept up as लिङ् is divided into 2 लकारs viz., विधिलिङ् and आशीर्लिङ्. The ten लकारs prevalent in classical Sanskrit can for the sake of convenience be divided into conjugational and non-conjugational tenses. The four लकारs— लट्, लोट्, लङ् and विधिलिङ् can be treated as conjugational tenses and others as non-conjugational tenses.

To denote the Present tense there is a single लकार—लट्. To denote the Past tense there are three लकारs—लिट्, लङ् and लुङ्. लिट् or the Perfect tense relates to remote antiquity or an incident of the past not within the direct knowledge of the speaker and not of the day on which the speech is

made. लङ् or the Imperfect tense denotes the past other than that of to-day. लुङ् or the Aorist tense denotes the general past whether remote or proximate, whether of to-day or earlier. The Future tense is twofold. लुट् or the 1st Future tense relates to a future incident, but not of today. लृट् or the 2nd Future tense is the general future whether of the same day or later. The remaining four लकारs are called moods. लोट् or the Imperative mood has either the force of a command or benediction. विधिलिङ् or the Potential mood is used to denote a rule of law, command, request or wish. The auxiliary verbs in English corresponding to the Potential mood are—*shall, may, should, ought, would, might* and so on. A root governed by *if* (यदि or चेत्) also takes the Potential mood. आशीर्लिङ् or the Benedictive mood has the force of a blessing founded on a wish. 'May he be' will be the corresponding equivalent in English to convey आशीर्लिङ्. लृङ् or the Conditional mood is used with reference to a pair of predicates whose actions stand in the relation of cause

and effect but have failed to come into being. A typical example for the same is सुवृष्टिरभविष्यच्चेत् सुभिक्षमभविष्यत्—Had there been good rains there would have been good crops. The idea is that there had been no rains and in consequence there were no crops.

The nine Parasmaipada terminations and the nine Ātmanepada terminations are grouped under three Persons, each Person consisting of three numbers. To avoid confusion it may be well to point out that प्रथमपुरुष in Sanskrit is not the 1st person of English, but its 3rd person. Similarly उत्तमपुरुष or the last person is not the 3rd person of English, but its 1st person. Hence the order of conjugation in Sanskrit is the reverse of that in English. Roots take the विकरणप्रत्यय or conjugational sign before the terminations in all the four conjugational tenses, but no such conjugational sign is added to the roots in the non-conjugational tenses.

C. SANKARARAMA SASTRI

## Lakāras & their meanings.

लट् Present tense — वर्तमाने.

लिट् Perfect „ (Remote past)—भूतानद्यतन-परोक्षे.

लुट् I Future „ (Future not of to-day) —अनद्यतनभविष्यति.

लृट् II „ „ „ in general—भविष्यति.

लोट् Imperative mood — विध्यादिषु.

लङ् Imperfect tense (Past not of to-day) —अनद्यतनभूते.

विधिलिङ् Potential mood — विध्यादिषु.

आशीर्लिङ् Benedictive „ — आशिषि.

लुङ् Aorist tense (Past in general)—भूते.

लृङ् Conditional mood—लिङ्निमित्ते भविष्यति क्रियातिपत्तौ.

---

| | | | |
|---|---|---|---|
| प्रथमपुरुषः | III Person | एकवचनं | Singular |
| मध्यम „ | II „ | द्वि „ | Dual |
| उत्तम „ | I „ | बहु „ | Plural |

---

| परस्मैपदप्रत्ययाः | | | आत्मनेपदप्रत्ययाः | | |
|---|---|---|---|---|---|
| तिप् | तस् | झि | त | आताम् | झ |
| सिप् | थस् | थ | [illegible] | आथाम् | ध्वम् |
| मिप् | वस् | मस् | इट् | वहि | महिङ् |

---

| Conjugation | गण or group | विकरण or sign |
|---|---|---|
| I. | भ्वादि | अ (शप्) |
| II. | अदादि | Nil (लुक्) |
| III. | जुहोत्यादि | ,, (श्लु) |
| IV. | दिवादि | य (श्यन्) |
| V. | स्वादि | नु (श्नु) |
| VI. | तुदादि | अ (श) |
| VII. | रुधादि | न or न् (श्नम्) |
| VIII. | तनादि | उ (उ) |
| IX. | क्रयादि | ना (श्ना) |
| X. | चुरादि | अय (णिच्) |

---

॥ श्रीः ॥

# ॥ धातुरूपावलिः ॥

## भ्वादयः ।

### 1. भू सत्तायाम्, परस्मैपदी ।

वर्तमाने लट् ।

| पुरुषः | एकवचनं | द्विवचनं | बहुवचनं |
|---|---|---|---|
| प्रथम— | भवति | भवतः | भवन्ति |
| मध्यम— | भवसि | भवथः | भवथ |
| उत्तम— | भवामि | भवावः | भवामः |

भूतानद्यतनपरोक्षे लिट् ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| प्रथम— | बभूव | बभूवतुः | बभूवुः |
| मध्यम— | बभूविथ | बभूवथुः | बभूव |
| उत्तम— | बभूव | बभूविव | बभूविम |

अनद्यतनभविष्यति लुट् ।

| | | |
|---|---|---|
| भविता | भवितारौ | भवितारः |
| भवितासि | भवितास्थः | भवितास्थ |
| भवितास्मि | भवितास्वः | भवितास्मः |

भविष्यति लृट् ।

| | | |
|---|---|---|
| भविष्यति | भविष्यतः | भविष्यन्ति |
| भविष्यसि | भविष्यथः | भविष्यथ |
| भविष्यामि | भविष्यावः | भविष्यामः |

विध्याशिषोः लोट् ।

| | | |
|---|---|---|
| भवतु, भवतात् | भवताम् | भवन्तु |
| भव, भवतात् | भवतम् | भवत |
| भवानि | भवाव | भवाम |

'भवताद्' इति रूपम् आशिष्येव ।

अनद्यतनभूते लङ् ।

| | | |
|---|---|---|
| अभवत् | अभवताम् | अभवन् |
| अभवः | अभवतम् | अभवत |
| अभवम् | अभवाव | अभवाम |

विध्यादिषु लिङ् ।

| | | |
|---|---|---|
| भवेत् | भवेताम् | भवेयुः |
| भवेः | भवेतम् | भवेत |
| भवेयम् | भवेव | भवेम |

आशिषि लिङ् ।

| | | |
|---|---|---|
| भूयात् | भूयास्ताम् | भूयासुः |
| भूयाः | भूयास्तम् | भूयास्त |
| भूयासम् | भूयास्व | भूयास्म |

भूते लुङ् ।

| | | |
|---|---|---|
| अभूत् | अभूताम् | अभूवन् |
| अभूः | अभूतम् | अभूत |
| अभूवम् | अभूव | अभूम |

लिङ्निमित्ते भविष्यति क्रियातिपत्तौ लृङ् ।

| | | |
|---|---|---|
| अभविष्यत् | अभविष्यताम् | अभविष्यन् |
| अभविष्यः | अभविष्यतम् | अभविष्यत |
| अभविष्यम् | अभविष्याव | अभविष्याम |

## 2. एध् (एध वृद्धौ) आत्मनेपदी ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | एधते | एधेते | एधन्ते |
| | एधसे | एधेथे | एधध्वे |
| | एधे | एधावहे | एधामहे |
| लिट्. | एधांचक्रे | एधांचक्राते | एधांचक्रिरे |
| | एधांचकृषे | एधांचक्राथे | एधांचकृढ्वे |
| | एधांचक्रे | एधांचकृवहे | एधांचकृमहे |

यद्वा—

| | | |
|---|---|---|
| एधामास | एधामासतुः | एधामासुः |
| एधामासिथ | एधामासथुः | एधामास |
| एधामास | एधामासिव | एधामासिम |

यद्वा—

| | | |
|---|---|---|
| एधांबभूव | एधांबभूवतुः | एधांबभूवुः |
| एधांबभूविथ | एधांबभूवथुः | एधांबभूव |
| एधांबभूव | एधांबभूविव | एधांबभूविम |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुट्. | एधिता | एधितारौ | एधितारः |
| | एधितासे | एधितासाथे | एधिताध्वे |
| | एधिताहे | एधितास्वहे | एधितास्महे |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लृट्. | एधिष्यते | एधिष्येते | एधिष्यन्ते |
| | एधिष्यसे | एधिष्येथे | एधिष्यध्वे |
| | एधिष्ये | एधिष्यावहे | एधिष्यामहे |
| लोट्. | एधताम् | एधेताम् | एधन्ताम् |
| | एधस्व | एधेथाम् | एधध्वम् |
| | एधै | एधावहै | एधामहै |
| लङ्. | ऐधत | ऐधेताम् | ऐधन्त |
| | ऐधथाः | ऐधेथाम् | ऐधध्वम् |
| | ऐधे | ऐधावहि | ऐधामहि |
| विधि- | एधेत | एधेयाताम् | एधेरन् |
| लिङ्. | एधेथाः | एधेयाथाम् | एधेध्वम् |
| | एधेय | एधेवहि | एधेमहि |
| आशी- | एधिषीष्ट | एधिषीयास्ताम् | एधिषीरन् |
| लिंङ्. | एधिषीष्ठाः | एधिषीयास्थाम् | एधिषीध्वम् |
| | एधिषीय | एधिषीवहि | एधिषीमहि |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | ऐधिष्ट | ऐधिषाताम् | ऐधिषत |
| | ऐधिष्ठाः | ऐधिषाथाम् | ऐधिढ्वम् / ऐधिध्वम् |
| | ऐधिषि | ऐधिष्वहि | ऐधिष्महि |
| लृङ्. | ऐधिष्यत | ऐधिष्येताम् | ऐधिष्यन्त |
| | ऐधिष्यथाः | ऐधिष्येथाम् | ऐधिष्यध्वम् |
| | ऐधिष्ये | ऐधिष्यावहि | ऐधिष्यामहि |

---

3. पच् (डु पचष् पाके) उभयपदी ।

परस्मैपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | पचति | पचतः | पचन्ति |
| | पचसि | पचथः | पचथ |
| | पचामि | पचावः | पचामः |
| लिट्. | पपाच | पेचतुः | पेचुः |
| | पेचिथ, पपक्थ | पेचथुः | पेच |
| | पपाच, पपच | पेचिव | पेचिम |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुट्. | पक्ता | पक्तारौ | पक्तारः |
| | पक्तासि | पक्तास्थः | पक्तास्थ |
| | पक्तास्मि | पक्तास्वः | पक्तास्मः |
| ऌट्. | पक्ष्यति | पक्ष्यतः | पक्ष्यन्ति |
| | पक्ष्यसि | पक्ष्यथः | पक्ष्यथ |
| | पक्ष्यामि | पक्ष्यावः | पक्ष्यामः |
| लोट्. | पचतु, पचतात् | पचताम् | पचन्तु |
| | पच, पचतात् | पचतम् | पचत |
| | पचानि | पचाव | पचाम |
| लङ्. | अपचत् | अपचताम् | अपचन् |
| | अपचः | अपचतम् | अपचत |
| | अपचम् | अपचाव | अपचाम |
| विधि- | पचेत् | पचेताम् | पचेयुः |
| लिङ्. | पचेः | पचेतम् | पचेत |
| | पचेयम् | पचेव | पचेम |
| आशी- | पच्यात् | पच्यास्ताम् | पच्यासुः |
| र्लिङ्. | पच्याः | पच्यास्तम् | पच्यास्त |
| | पच्यासम् | पच्यास्व | पच्यास्म |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | अपाक्षीत् | अपाक्ताम् | अपाक्षुः |
| | अपाक्षीः | अपाक्तम् | अपाक्त |
| | अपाक्षम् | अपाक्ष्व | अपाक्ष्म |
| लृङ्. | अपक्ष्यत् | अपक्ष्यताम् | अपक्ष्यन् |
| | अपक्ष्यः | अपक्ष्यतम् | अपक्ष्यत |
| | अपक्ष्यम् | अपक्ष्याव | अपक्ष्याम |

आत्मनेपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | पचते | पचेते | पचन्ते |
| | पचसे | पचेथे | पचध्वे |
| | पचे | पचावहे | पचामहे |
| लिट्. | पेचे | पेचाते | पेचिरे |
| | पेचिषे | पेचाथे | पेचिध्वे |
| | पेचे | पेचिवहे | पेचिमहे |
| लुट्. | पक्ता | पक्तारौ | पक्तारः |
| | पक्तासे | पक्तासाथे | पक्ताध्वे |
| | पक्ताहे | पक्तास्वहे | पक्तास्महे |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लृट्. | पक्ष्यते | पक्ष्येते | पक्ष्यन्ते |
| | पक्ष्यसे | पक्ष्येथे | पक्ष्यध्वे |
| | पक्ष्ये | पक्ष्यावहे | पक्ष्यामहे |
| लोट्. | पचताम् | पचेताम् | पचन्ताम् |
| | पचस्व | पचेथाम् | पचध्वम् |
| | पचै | पचावहै | पचामहै |
| लङ्. | अपचत | अपचेताम् | अपचन्त |
| | अपचथाः | अपचेथाम् | अपचध्वम् |
| | अपचे | अपचावहि | अपचामहि |
| विधि-लिङ्. | पचेत | पचेयाताम् | पचेरन् |
| | पचेथाः | पचेयाथाम् | पचेध्वम् |
| | पचेय | पचेवहि | पचेमहि |
| आशी-र्लिङ्. | पक्षीष्ट | पक्षीयास्ताम् | पक्षीरन् |
| | पक्षीष्ठाः | पक्षीयास्थाम् | पक्षीध्वम् |
| | पक्षीय | पक्षीवहि | पक्षीमहि |
| लुङ्. | अपक्त | अपक्षाताम् | अपक्षत |
| | अपक्थाः | अपक्षाथाम् | अपग्ध्वम् |
| | अपक्षि | अपक्ष्वहि | अपक्ष्महि |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लृङ्. | अपक्ष्यत | अपक्ष्येताम् | अपक्ष्यन्त |
| | अपक्ष्यथाः | अपक्ष्येथाम् | अपक्ष्यध्वम् |
| | अपक्ष्ये | अपक्ष्यावहि | अपक्ष्यामहि |

---

4. वस् (वस निवासे) परस्मैपदी ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | वसति | वसतः | वसन्ति |
| | वससि | वसथः | वसथ |
| | वसामि | वसावः | वसामः |
| लिट्. | उवास | ऊषतुः | ऊषुः |
| | उवसिथ, उवस्थ | ऊषथुः | ऊष |
| | उवास, उवस | ऊषिव | ऊषिम |
| लुट्. | वस्ता | वस्तारौ | वस्तारः |
| | वस्तासि | वस्तास्थः | वस्तास्थ |
| | वस्तास्मि | वस्तास्वः | वस्तास्मः |
| लृट्. | वत्स्यति | वत्स्यतः | वत्स्यन्ति |
| | वत्स्यसि | वत्स्यथः | वत्स्यथ |
| | वत्स्यामि | वत्स्यावः | वत्स्यामः |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | वसतु, वसतात् | वसताम् | वसन्तु |
| | वस, वसतात् | वसतम् | वसत |
| | वसानि | वसाव | वसाम |
| लङ्. | अवसत् | अवसताम् | अवसन् |
| | अवसः | अवसतम् | अवसत |
| | अवसम् | अवसाव | अवसाम |
| विधि- | वसेत् | वसेताम् | वसेयुः |
| लिङ्. | वसेः | वसेतम् | वसेत |
| | वसेयम् | वसेव | वसेम |
| आशी- | उष्यात् | उष्यास्ताम् | उष्यासुः |
| र्लिङ्. | उष्याः | उष्यास्तम् | उष्यास्त |
| | उष्यासम् | उष्यास्व | उष्यास्म |
| लुङ्. | अवात्सीत् | अवात्ताम् | अवात्सुः |
| | अवात्सीः | अवात्तम् | अवात्त |
| | अवात्सम् | अवात्स्व | अवात्स्म |
| लृङ्. | अवत्स्यत् | अवत्स्यताम् | अवत्स्यन् |
| | अवत्स्यः | अवत्स्यतम् | अवत्स्यत |
| | अवत्स्यम् | अवत्स्याव | अवत्स्याम |

# अथ अदादयः ॥

5. अद् (अद भक्षणे) परस्मैपदी ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | अत्ति | अत्तः | अदन्ति |
| | अत्सि | अत्थः | अत्थ |
| | अद्मि | अद्वः | अद्मः |
| लिट्. | जघास | जक्षतुः | जक्षुः |
| | जघसिथ | जक्षथुः | जक्ष |
| | जघास, जघस | जक्षिव | जक्षिम |
| यद्वा— | | | |
| | आद | आदतुः | आदुः |
| | आदिथ | आदथुः | आद |
| | आद | आदिव | आदिम |

लुट्— अत्ता अत्तारौ अत्तारः, इत्यादि ।

लृट्— अत्स्यति अत्स्यतः अत्स्यन्ति, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | अत्तु, अत्तात् | अत्ताम् | अदन्तु |
| | अद्धि, अत्तात् | अत्तम् | अत्त |
| | अदानि | अदाव | अदाम |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लङ्. | आदत् | आत्ताम् | आदन् |
| | आदः | आत्तम् | आत्त |
| | आदम् | आद्व | आद्म |

विधिलिङ्—अद्यात् अद्याताम् अद्युः, इत्यादि ।

आशीर्लिङ्— अद्यात् अद्यास्ताम् अद्यासुः, इत्यादि ।

लुङ्—अघसत् अघसताम् अघसन्, इत्यादि ।

लृङ्—आत्स्यत् आत्स्यताम् आत्स्यन्, इत्यादि ।

---

6. हन् (हन हिंसागत्योः) परस्मैपदी ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | हन्ति | हतः | घ्नन्ति |
| | हंसि | हथः | हथ |
| | हन्मि | हन्वः | हन्मः |
| लिट्. | जघान | जघ्नतुः | जघ्नुः |
| | जघनिथ, जघन्थ | जघ्नथुः | जघ्न |
| | जघान, जघन | जघ्निव | जघ्निम |

लुट्—हन्ता हन्तारौ हन्तारः, इत्यादि ।

लृट्—हनिष्यति हनिष्यतः हनिष्यन्ति, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | हन्तु, हतात् | हताम् | घ्नन्तु |
| | जहि, हतात् | हतम् | हत |
| | हनानि | हनाव | हनाम |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लङ्. | अहन् | अहताम् | अघ्नन् |
| | अहन् | अहतम् | अहत |
| | अहनम् | अहन्व | अहन्म |

विधिलिङ्—हन्यात् हन्याताम् हन्युः, इत्यादि ।

आशीर्लिङ्—वध्यात् वध्यास्ताम् वध्यासुः, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | अवधीत् | अवधिष्टाम् | अवधिषुः |
| | अवधीः | अवधिष्टम् | अवधिष्ट |
| | अवधिषम् | अवधिष्व | अवधिष्म |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लृङ्. | अहनिष्यत् | अहनिष्यताम् | अहनिष्यन् |
| | अहनिष्यः | अहनिष्यतम् | अहनिष्यत |
| | अहनिष्यम् | अहनिष्याव | अहनिष्याम |

---

7. इ (इण् गतौ) परस्मैपदी ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | एति | इतः | यन्ति |
| | एषि | इथः | इथ |
| | एमि | इवः | इमः |
| लिट्. | इयाय | ईयतुः | ईयुः |
| | इययिथ, इयेथ | ईयथुः | ईय |
| | इयाय, इयय | ईयिव | ईयिम |

लुट्. एता एतारौ एतारः, इत्यादि ।

लृट्. एष्यति एष्यतः एष्यन्ति, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | एतु, इतात् | इताम् | यन्तु |
| | इहि, इतात् | इतम् | इत |
| | अयानि | अयाव | अयाम |
| लङ्. | ऐत् | ऐताम् | आयन् |
| | ऐः | ऐतम् | ऐत |
| | आयम् | ऐव | ऐम |

विधिलिङ्. इयात् इयाताम् इयुः, इत्यादि ।

आशीर्लिङ्. ईयात् ईयास्ताम् ईयासुः, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | अगात् | अगाताम् | अगुः |
| | अगाः | अगातम् | अगात |
| | अगाम् | अगाव | अगाम |

लृङ्. ऐष्यत् ऐष्यताम् ऐष्यन्, इत्यादि ।

---

8. या (या प्रापणे) परस्मैपदी ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | याति | यातः | यान्ति |
| | यासि | याथः | याथ |
| | यामि | यावः | यामः |
| लिट्. | ययौ | ययतुः | ययुः |
| | ययिथ, ययाथ | ययथुः | यय |
| | ययौ | ययिव | ययिम |

लुट्.—याता यातारौ यातारः, इत्यादि ।

लृट्.—यास्यति यास्यतः यास्यन्ति, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | यातु, यातात् | याताम् | यान्तु |
| | याहि, यातात् | यातम् | यात |
| | यानि | याव | याम |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लङ्. | अयात् | अयाताम् | अयुः, अयान् |
| | अयाः | अयातम् | अयात |
| | अयाम् | अयाव | अयाम |

विधिलिङ्–यायात् यायाताम् यायुः, इत्यादि ।

आशीर्लिङ्–यायात् यायास्ताम् यायासुः, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | अयासीत् | अयासिष्टाम् | अयासिषुः |
| | अयासीः | अयासिष्टम् | अयासिष्ट |
| | अयासिषम् | अयासिष्व | अयासिष्म |

लृङ्–अयास्यत् अयास्यताम् अयास्यन्, इत्यादि ।

---

9. अस् (अस भुवि) परस्मैपदी ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | अस्ति | स्तः | सन्ति |
| | असि | स्थः | स्थ |
| | अस्मि | स्वः | स्मः |

लिट्—बभूव बभूवतुः बभूवुः, इत्यादि ।

लुट्—भविता भवितारौ भवितारः, इत्यादि ।

लृट्—भविष्यति भविष्यतः भविष्यन्ति, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | अस्तु, स्तात् | स्ताम् | सन्तु |
| | एधि, स्तात् | स्तम् | स्त |
| | असानि | असाव | असाम |
| लङ्. | आसीत् | आस्ताम् | आसन् |
| | आसीः | आस्तम् | आस्त |
| | आसम् | आस्व | आस्म |
| विधि- | स्यात् | स्याताम् | स्युः |
| लिङ्. | स्याः | स्यातम् | स्यात |
| | स्याम् | स्याव | स्याम |

आशीर्लिङ्–भूयात् भूयास्ताम् भूयासुः, इत्यादि ।
लुङ्–अभूत् अभूताम् अभूवन्, इत्यादि ।
लृङ्—अभविष्यत् अभविष्यताम् अभविष्यन् ... ।

---

10. शास् (शासु अनुशिष्टौ) परस्मैपदी ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | शास्ति | शिष्टः | शासति |
| | शास्सि | शिष्ठः | शिष्ठ |
| | शास्मि | शिष्वः | शिष्मः |

लिट्—शशास शशासतुः शशासुः, इत्यादि ।
लुट्—शासिता शासितारौ शासितारः, इत्यादि ।

लृट्—शासिष्यति शासिष्यतः शासिष्यन्ति इत्यादि।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | शास्तु, शिष्टात् | शिष्टाम् | शासतु |
| | शाधि, शिष्टात् | शिष्टम् | शिष्ट |
| | शासानि | शासाव | शासाम |
| लङ्. | अशात् | अशिष्टाम् | अशासुः |
| | अशात्, अशाः | अशिष्टम् | अशिष्ट |
| | अशासम् | अशिष्व | अशिष्म |

विधिलिङ्—शिष्यात् शिष्याताम् शिष्युः, इत्यादि।

आशीर्लिङ्——शिष्यात् शिष्यास्ताम् शिष्यासुः ...।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | अशिषत् | अशिषताम् | अशिषन् |
| | अशिषः | अशिषतम् | अशिषत |
| | अशिषम् | अशिषाव | अशिषाम |

लृङ्—अशासिष्यत् अशासिष्यताम् अशासिष्यन्...।

---

11. आस् (आस उपवेशने) आत्मनेपदी।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | आस्ते | आसाते | आसते |
| | आस्से | आसाथे | आध्वे |
| | आसे | आस्वहे | आस्महे |

लिट्—आसांचक्रे आसांचक्राते आसांचक्रिरे, इत्यादि ।
आसामास आसामासतुः आसामासुः इत्यादि ।
आसांबभूव असांबभूवतुः आसांबभूवुः इत्यादि ।

लुट्—आसिता आसितारौ आसितारः, इत्यादि ।

लृट्—आसिष्यते आसिष्येते आसिष्यन्ते, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | आस्ताम् | आसाताम् | आसताम् |
| | आस्स्व | आसाथाम् | आध्वम् |
| | आसै | आसावहै | आसामहै |
| लङ्. | आस्त | आसाताम् | आसत |
| | आस्थाः | आसाथाम् | आध्वम् |
| | आसि | आस्वहि | आस्महि |
| विधि- | आसीत | आसीयाताम् | आसीरन् |
| लिङ्. | आसीथाः | आसीयाथाम् | आसीध्वम् |
| | आसीय | आसीवहि | आसीमहि |
| आशी- | आसिषीष्ट | आसिषीयास्ताम् | आसिषीरन् |
| लिङ्. | आसिषीष्ठाः | आसिषीयास्थाम् | आसिषीध्वम् |
| | आसिषीय | आसिषीवहि | आसिषीमहि |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | आसिष्ट | आसिषाताम् | आसिषत |
| | आसिष्ठाः | आसिषाथाम् | आसिढ्वम् |
| | आसिषि | आसिष्वहि | आसिष्महि |

लृङ्. आसिष्यत आसिष्येताम् आसिष्यन्त... ।

---

12. शी (शीङ् स्वप्ने) आत्मनेपदी ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | शेते | शयाते | शेरते |
| | शेषे | शयाथे | शेध्वे |
| | शये | शेवहे | शेमहे |
| लिट्. | शिश्ये | शिश्याते | शिश्यिरे |
| | शिश्यिषे | शिश्याथे | शिश्यिढ्वे-ध्वे |
| | शिश्ये | शिश्यिवहे | शिश्यिमहे |

लुट्—शयिता शयितारौ शयितारः, इत्यादि ।

लृट्—शयिष्यते शयिष्येते शयिष्यन्ते, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | शेताम् | शयाताम् | शेरताम् |
| | शेष्व | शयाथाम् | शेध्वम् |
| | शयै | शयावहै | शयामहै |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लङ्. | अशेत | अशयाताम् | अशेरत |
| | अशेथाः | अशयाथाम् | अशेध्वम् |
| | अशयि | अशेवहि | अशेमहि |
| विधि- | शयीत | शयीयाताम् | शयीरन् |
| लिङ्. | शयीथाः | शयीयाथाम् | शयीध्वम् |
| | शयीय | शयीवहि | शयीमहि |
| आशी- | शयिषीष्ट | शयिषीयास्ताम् | शयिषीरन् |
| र्लिङ्. | शयिषीष्ठाः | शयिषीयास्थाम् | शयिषीध्वम् |
| | शयिषीय | शयिषीवहि | शयिषीमहि |
| लुङ्. | अशयिष्ट | अशयिषाताम् | अशयिषत |
| | अशयिष्ठाः | अशयिषाथाम् | अशयिढ्वम् |
| | अशयिषि | अशयिष्वहि | अशयिष्महि |
| लृङ्. | अशयिष्यत | अशयिष्येताम् | अशयिष्यन्त |
| | अशयिष्यथाः | अशयिष्येथाम् | अशयिष्यध्वम् |
| | अशयिष्ये | अशयिष्यावहि | अशयिष्यामहि |

—

# अथ जुहोत्यादयः ॥

13. हु (हु दानादनयोः) परस्मैपदी ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | जुहोति | जुहुतः | जुह्वति |
| | जुहोषि | जुहुथः | जुहुथ |
| | जुहोमि | जुहुवः | जुहुमः |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लिट्. | जुहाव | जुहुवतुः | जुहुवुः |
| | जुहविथ, जुहोथ | जुहुवथुः | जुहुव |
| | जुहाव, जुहव | जुहुविव | जुहुविम |

यद्वा—जुहवांचकार, जुहवामास, जुहवांबभूव इत्यादि ।

लुट्—होता होतारौ होतारः, इत्यादि ।

लृट्—होष्यति होष्यतः होष्यन्ति, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | जुहोतु, जुहुतात् | जुहुताम् | जुह्वतु |
| | जुहुधि, जुहुतात् | जुहुतम् | जुहुत |
| | जुहवानि | जुहवाव | जुहवाम |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लङ्. | अजुहोत् | अजुहुताम् | अजुहवुः |
| | अजुहोः | अजुहुतम् | अजुहुत |
| | अजुहवम् | अजुहुव | अजुहुम |

विधिलिङ्—जुहुयात् जुहुयाताम् जुहुयुः, इत्यादि ।

आशीर्लिङ्—हूयात् हूयास्ताम् हूयासुः, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | अहौषीत् | अहौष्टाम् | अहौषुः |
| | अहौषीः | अहौष्टम् | अहौष्ट |
| | अहौषं | अहौष्व | अहौष्म |

लृङ्—अहोष्यत् अहोष्यताम् अहोष्यन्, इत्यादि।

---

14. भी (ञि भी भये) परस्मैपदी ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | बिभेति | बिभितः / बिभीतः | बिभ्यति |
| | बिभेषि | बिभिथः / बिभीथः | बिभिथ / बिभीथ |
| | बिभेमि | बिभिवः / बिभीवः | बिभिमः / बिभीमः |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लिट्. | बिभाय | बिभ्यतुः | बिभ्युः |
| | बिभयिथ / बिभेथ | बिभ्यथुः | बिभ्य |
| | बिभाय / बिभय | बिभ्यिव | बिभ्यिम |

बिभयांचकार, बिभयामास, बिभयांबभूव, इत्यपि रूपाणि भवन्ति ।

लुट्—भेता भेतारौ भेतारः, इत्यादि ।

लृट्—भेष्यति भेष्यतः भेष्यन्ति, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | बिभेतु / बिभितात् / बिभीतात् | बिभिताम् / बिभीताम् | बिभ्यतु |
| | बिभिहि / बिभीहि / बिभितात् / बिभीतात् | बिभितम् / बिभीतम् | बिभित / बिभीत |
| | बिभयानि | बिभयाव | बिभयाम |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लङ्. | अबिभेत् | अबिभिताम्<br>अबिभीताम् | अबिभयुः |
| | अबिभेः | अबिभितम्<br>अबिभीतम् | अबिभित<br>अबिभीत |
| | अबिभयम् | अबिभिव<br>अबिभीव | अबिभिम<br>अबिभीम |
| विधि-<br>लिङ्. | बिभियात्<br>बिभीयात् | बिभियाताम्<br>बिभीयाताम् | बिभियुः<br>बिभीयुः |

इत्यादि ।

आशीर्लिङ्—भीयात् भीयास्ताम् भीयासुः, इत्यादि ।

लुङ्—अभैषीत् अभैष्टाम् अभैषुः, इत्यादि ।

लृङ्—अभेष्यत् अभेष्यताम् अभेष्यन्, इत्यादि ।

---

15. हा (ओ हाक् त्यागे) परस्मैपदी ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | जहाति | जहितः<br>जहीतः | जहति |
| | जहासि | जहिथः<br>जहीथः | जहिथ<br>जहीथ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | जहामि | जहिवः / जहीवः | जहिमः / जहीमः |
| लिट्. | जहौ | जहतुः | जहुः |
| | जहिथ-जहाथ | जहथुः | जह |
| | जहौ | जहिव | जहिम |

लुट्—हाता हातारौ हातारः, इत्यादि ।

लृट्—हास्यति हास्यतः हास्यन्ति, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | जहातु / जहितात् / जहीतात् | जहिताम् / जहीताम् | जहतु |
| | जहाहि / जहिहि / जहीहि / जहितात् / जहीतात् | जहितम् / जहीतम् | जहित / जहीत |
| | जहानि | जहाव | जहाम |

लङ्—अजहात् अजहिताम्, अजहीताम् — अजहुः
अजहाः अजहितम्, अजहीतम् — अजहित, अजहीत
अजहाम् अजहिव, अजहीव — अजहिम, अजहीम

विधिलिङ्—जह्यात् जह्याताम् जह्युः, इत्यादि ।

आशीर्लिङ्—हेयात् हेयास्ताम् हेयासुः, इत्यादि ।

लुङ्—अहासीत् अहासिष्टाम् अहासिषुः ... ।

लृङ्—अहास्यत् अहास्यताम् अहास्यन् इत्यादि ।

---

16. हा (ओ हाङ् गतौ) आत्मनेपदी ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | जिहीते | जिहाते | जिहते |
| | जिहीषे | जिहाथे | जिहीध्वे |
| | जिहे | जिहीवहे | जिहीमहे |

लिट्—जहे जहाते जहिरे, इत्यादि ।

लुट्—हाता हातारौ हातारः, इत्यादि ।

लृट्—हास्यते हास्येते हास्यन्ते, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | जिहीताम् | जिहाताम् | जिहताम् |
| | जिहीष्व | जिहाथाम् | जिहीध्वम् |
| | जिहै | जिहावहै | जिहामहै |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लङ्. | अजिहीत | अजिहाताम् | अजिहत |
| | अजिहीथाः | अजिहाथाम् | अजिहीध्वम् |
| | अजिहि | अजिहीवहि | अजिहीमहि |

विधिलिङ्—जिहीत जिहीयाताम् जिहीरन् ... ।

आशीर्लिङ्—हासीष्ट हासीयास्ताम् हासीरन् ... ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | अहास्त | अहासाताम् | अहासत |
| | अहास्थाः | अहासाथाम् | अहाध्वम् |
| | अहासि | अहास्वहि | अहास्महि |

लृङ्—अहास्यत अहास्येताम् अहास्यन्त ... ।

—

17. दा (डु दाञ् दाने) उभयपदी ।

परस्मैपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | ददाति | दत्तः | ददति |
| | ददासि | दत्थः | दत्थ |
| | ददामि | दद्वः | दद्मः |
| लिट्. | ददौ | ददतुः | ददुः |
| | ददिथ, ददाथ | ददथुः | दद |
| | ददौ | ददिव | ददिम |
| लुट्. | दाता | दातारौ | दातारः |
| | दातासि | दातास्थः | दातास्थ |
| | दातास्मि | दातास्वः | दातास्मः |

लृट्—दास्यति दास्यतः दास्यन्ति, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | ददातु, दत्तात् | दत्ताम् | ददतु |
| | देहि, दत्तात् | दत्तम् | दत्त |
| | ददानि | ददाव | ददाम |
| लङ्. | अददात् | अदत्ताम् | अददुः |
| | अददाः | अदत्तम् | अदत्त |
| | अददाम् | अदद्व | अदद्म |

विधिलिङ्—दद्यात् दद्याताम् दद्युः, इत्यादि ।

आशीर्लिङ्—देयात् देयास्ताम् देयासुः, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | अदात् | अदाताम् | अदुः |
| | अदाः | अदातम् | अदात |
| | अदाम् | अदाव | अदाम |

लृङ्—अदास्यत् अदास्यताम् अदास्यन् ... ।

आत्मनेपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | दत्ते | ददाते | ददते |
| | दत्से | ददाथे | दद्ध्वे |
| | ददे | दद्वहे | दद्महे |
| लिट्. | ददे | ददाते | ददिरे |
| | ददिषे | ददाथे | ददिध्वे |
| | ददे | ददिवहे | ददिमहे |
| लुट्. | दाता | दातारौ | दातारः |
| | दातासे | दातासाथे | दाताध्वे |
| | दाताहे | दातास्वहे | दातास्महे |

लृट्—दास्यते दास्येते दास्यन्ते, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | दत्ताम् | ददाताम् | ददताम् |
| | दत्स्व | ददाथाम् | दद्ध्वम् |
| | ददै | ददावहै | ददामहै |
| लङ्. | अदत्त | अददाताम् | अददत |
| | अदत्थाः | अददाथाम् | अदद्ध्वम् |
| | अददि | अदद्वहि | अदद्महि |

विधिलिङ्—ददीत ददीयाताम् ददीरन् इत्यादि ।

आशीर्लिङ्—दासीष्ट दासीयास्ताम् दासीरन्...।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | अदित | अदिषाताम् | अदिषत |
| | अदिथाः | अदिषाथाम् | अदिढ्वम् |
| | अदिषि | अदिष्वहि | अदिष्महि |

लृङ्—अदास्यत अदास्येताम् अदास्यन्त...।

---

18. धा (डु धाञ् धारणपोषणयोः) उभयपदी ।

परस्मैपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | दधाति | धत्तः | दधति |
| | दधासि | धत्थः | धत्थ |
| | दधामि | दध्वः | दध्मः |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लिट्. | दधौ | दधतुः | दधुः |
| | दधिथ, दधाथ | दधथुः | दध |
| | दधौ | दधिव | दधिम |
| लुट्. | धाता | धातारौ | धातारः |
| | धातासि | धातास्थः | धातास्थ |
| | धातास्मि | धातास्वः | धातास्मः |

लृट्—धास्यति धास्यतः धास्यन्ति, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | दधातु, धत्तात् | धत्ताम् | दधतु |
| | धेहि, धत्तात् | धत्तम् | धत्त |
| | दधानि | दधाव | दधाम |
| लङ्. | अदधात् | अधत्ताम् | अदधुः |
| | अदधाः | अधत्तम् | अधत्त |
| | अदधाम् | अदध्व | अदध्म |

विधिलिङ्—दध्यात् दध्याताम् दध्युः, इत्यादि ।

आशीर्लिङ्—धेयात् धेयास्ताम् धेयासुः ,,

लुङ्—अधात् अधाताम् अधुः ,,

लृङ्—अधास्यत् अधास्यताम् अधास्यन् ,,

आत्मनेपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | धत्ते | दधाते | दधते |
| | धत्से | दधाथे | धद्ध्वे |
| | दधे | दध्वहे | दध्महे |
| लिट्. | दधे | दधाते | दधिरे |
| | दधिषे | दधाथे | दधिध्वे |
| | दधे | दधिवहे | दधिमहे |
| लुट्. | धाता | धातारौ | धातारः |
| | धातासे | धातासाथे | धाताध्वे |
| | धाताहे | धातास्वहे | धातास्महे |

लृट्—धास्यते धास्येते धास्यन्ते, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | धत्ताम् | दधाताम् | दधताम् |
| | धत्स्व | दधाथाम् | धद्ध्वम् |
| | दधै | दधावहै | दधामहै |
| लङ्. | अधत्त | अदधाताम् | अदधत |
| | अधत्थाः | अदधाथाम् | अधद्ध्वम् |
| | अदधि | अदध्वहि | अदध्महि |

विधिलिङ्—दधीत दधीयाताम् दधीरन्, इत्यादि ।
आशीर्लिङ्—धासीष्ट धासीयास्ताम् धासीरन् ,,
लुङ्—अधित अधिषाताम् अधिषत ,,
लृङ्—अधास्यत अधास्येताम् अधास्यन्त ,,

---

## अथ दिवादयः ॥

19. दिव् (दिवु क्रीडाकान्त्यादिषु) परस्मैपदी ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | दीव्यति | दीव्यतः | दीव्यन्ति |
| | दीव्यसि | दीव्यथः | दीव्यथ |
| | दीव्यामि | दीव्यावः | दीव्यामः |
| लिट्. | दिदेव | दिदिवतुः | दिदिवुः |
| | दिदेविथ | दिदिवथुः | दिदिव |
| | दिदेव, | दिदिविव | दिदिविम |

लुट्—देविता देवितारौ देवितारः, इत्यादि ।
लृट्—देविष्यति देविष्यतः देविष्यन्ति ,,

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | दीव्यतु, दीव्यतात् | दीव्यताम् | दीव्यन्तु |
| | दीव्य, दीव्यतात् | दीव्यतम् | दीव्यत |
| | दीव्यानि | दीव्याव | दीव्याम |

लङ्—अदीव्यत् अदीव्यताम् अदीव्यन् इत्यादि ।

विधिलिङ्—दीव्येत् दीव्येताम् दीव्येयुः ,,

आशीर्लिङ्—दीव्यात् दीव्यास्ताम् दीव्यासुः ,,

लुङ्—अदेवीत् अदेविष्टाम् अदेविषुः ,,

लृङ्—अदेविष्यत् अदेविष्यताम् अदेविष्यन् ,,

---

### 20. तृप् (तृप प्रीणने) परस्मैपदी ।

लट्—तृप्यति तृप्यतः तृप्यन्ति, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लिट्. | ततर्प | ततृपतुः | ततृपुः |
| | ततर्पिथ / ततर्प्थ / तत्रप्थ | ततृपथुः | ततृप |
| | ततर्प | ततृपिव | ततृपिम |

लुट्—तर्पिता, त्रप्ता, तर्प्ता इत्यादि ।

लृट्—तर्पिष्यति, त्रप्स्यति, तर्प्स्यति इत्यादि ।

लोट्—तृप्यतु, तृप्यतात् तृप्यताम् तृप्यन्तु ,,

लङ्—अतृप्यत् अतृप्यताम् अतृप्यन् ,,

विधिलिङ्—तृप्येत् तृप्येताम् तृप्येयुः ,,

आशीर्लिङ्—तृप्यात् तृप्यास्ताम् तृप्यासुः ,,

| लुङ् | | | |
|---|---|---|---|
| | अताप्र्सीत् | अतार्प्ताम् | अतार्प्सुः |
| | अत्राप्सीत् | अत्राप्ताम् | अत्राप्सुः |
| | अतर्पीत् | अतर्पिष्टाम् | अतर्पिषुः |
| | अतृपत् | अतृपताम् | अतृपन् |

इत्यादि ।

लृङ्—अतर्पिष्यत्, अत्रप्स्यत्, अतर्प्स्यत् ,,

---

21. जन् (जनी प्रादुर्भावे) आत्मनेपदी ।

लट्—जायते जायेते जायन्ते इत्यादि ।

लिट्—जज्ञे जज्ञाते जज्ञिरे ,,

लुट्—जनिता जनितारौ जनितारः ,,

लृट्—जनिष्यते जनिष्येते जनिष्यन्ते ,,

लोट्—जायताम् जायेताम् जायन्ताम् इत्यादि ।

लङ्—अजायत आजायेताम् अजायन्त ,,

विधिलिङ्—जायेत जायेयाताम् जायेरन् ,,

आशीर्लिंङ्—जनिषीष्ट जनिषीयास्ताम् जनिषीरन् ।

लुङ्. अजनि / अजनिष्ट } अजनिषाताम् अजनिषत

अजनिष्ठाः अजनिषाथाम् अजनिढ्वम्

अजनिषि अजनिष्वहि अजनिष्महि

लृङ्—अजनिष्यत अजनिष्येताम् अजनिष्यन्त ...

---

22. पद् (पद गतौ) आत्मनेपदी ।

लट्—पद्यते पद्येते पद्यन्ते इत्यादि ।

लिट्—पेदे पेदाते पेदिरे ,,

लुट्—पत्ता पत्तारौ पत्तारः ,,

लृट्—पत्स्यते पत्स्येते पत्स्यन्ते ,,

लोट्—पद्यताम् पद्येताम् पद्यन्ताम् ,,

लङ्—अपद्यत अपद्येताम् अपद्यन्त ,,

विधिलिङ्—पद्येत पद्येयाताम् पद्येरन् इत्यादि ।

आशीर्लिङ्—पत्सीष्ट पत्सीयास्तां पत्सीरन् ,,

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | अपादि | अपत्साताम् | अपत्संत |
| | अपत्थाः | अपत्साथाम् | अपद्ध्वम् |
| | अपत्सि | अपत्स्वहि | अपत्स्महि |

लृङ्—अपत्स्यत अपत्स्येताम् अपत्स्यन्त इत्यादि ।

---

23. बुध् (बुध अवगमने) आत्मनेपदी ।

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| लट्—बुध्यते | बुध्येते | बुध्यन्ते | | इत्यादि । |
| लिट्—बुबुधे | बुबुधाते | बुबुधिरे | | ,, |
| लुट्—बोद्धा | बोद्धारौ | बोद्धारः | | ,, |
| लृट्—भोत्स्यते | भोत्स्येते | भोत्स्यंन्ते | | ,, |
| लोट्—बुध्यताम् | बुध्येताम् | बुध्यन्ताम् | | ,, |
| लङ्—अबुध्यत | अबुध्येताम् | अबुध्यन्त | | ,, |

विधिलिङ्—बुध्येत बुध्येयाताम् बुध्येरन् ,,

आशीर्लिङ्—भुत्सीष्ट भुत्सीयास्ताम् भुत्सीरन् ,,

लुङ्. अबोधि, अबुद्ध अभुत्साताम् अभुत्सत
अबुद्धाः अभुत्साथाम् अभुद्ध्वम्
अभुत्सि अभुत्स्वहि अभुत्स्महि

लृङ्. अभोत्स्यत अभोत्स्येताम् अभोत्स्यन्त ...।

---

24. मन् (मन ज्ञाने) आत्मनेपदी ।

मन्यते, मेने, मन्ता, मंस्यते, मन्यताम्,
अमन्यत, मन्येत, मंसीष्ट ।

लुङ्. अमंस्त अमंसाताम् अमंसत
अमंस्थाः अमंसाथाम् अमन्ध्वम्
अमंसि अमंस्वहि अमंस्महि

लृङ्—अमंस्यत अमंस्येताम् अमंस्यन्त इत्यादि ।

---

# अथ स्वादयः ॥

## 25. सु (षुञ् अभिषवे) उभयपदी ।

### परस्मैपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | सुनोति | सुनुतः | सुन्वन्ति |
| | सुनोषि | सुनुथः | सुनुथ |
| | सुनोमि | सुनुवः, सुन्वः | सुनुमः, सुन्मः |
| लिट्. | सुषाव | सुषुवतुः | सुषुवुः |
| | सुषविथ, सुषोथ | सुषुवथुः | सुषुव |
| | सुषाव, सुषव | सुषुविव | सुषुविम |
| लुट्. | सोता | सोतारौ | सोतारः |
| | सोतासि | सोतास्थः | सोतास्थ |
| | सोतास्मि | सोतास्वः | सोतास्मः |

लृट्—सोष्यति सोष्यतः सोष्यन्ति, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | सुनोतु, सुनुतात् | सुनुताम् | सुन्वन्तु |
| | सुनु, सुनुतात् | सुनुतम् | सुनुत |
| | सुनवानि | सुनवाव | सुनवाम |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लङ्. | असुनोत् | असुनुताम् | असुन्वन् |
| | असुनोः | असुनुतम् | असुनुत |
| | असुनवम् | असुनुव } असुन्व } | असुनुम } असुन्म } |

विधिलिङ्—सुनुयात् सुनुयाताम् सुनुयुः, इत्यादि ।

आशीर्लिङ्—सूयात् सूयास्ताम् सूयासुः ,,

लुङ्—असावीत् असाविष्टाम् असाविषुः ,,

लृङ्—असोष्यत् असोष्यताम् असोष्यन् ,,

आत्मनेपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | सुनुते | सुन्वाते | सुन्वते |
| | सुनुषे | सुन्वाथे | सुनुध्वे |
| | सुन्वे | सुनुवहे, सुन्वहे | सुनुमहे, सुन्महे |

लिट्—सुषुवे सुषुवाते सुषुविरे इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुट्. | सोता | सोतारौ | सोतारः |
| | सोतासे | सोतासाथे | सोताध्वे |
| | सोताहे | सोतास्वहे | सोतास्महे |

लृट्—सोष्यते सोष्येते सोष्यन्ते, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | सुनुताम् | सुन्वाताम् | सुन्वताम् |
| | सुनुष्व | सुन्वाथाम् | सुनुध्वम् |
| | सुनवै | सुनवावहै | सुनवामहै |
| लङ्. | असुनुत | असुन्वाताम् | असुन्वत |
| | असुनुथाः | असुन्वाथाम् | असुनुध्वम् |
| | असुन्वि | असुनुवहि } असुन्वहि } | असुनुमहि } असुन्महि } |

विधिलिङ्—सुन्वीत सुन्वीयाताम् सुन्वीरन्...।

आशीर्लिङ्—सोषीष्ट सोषीयास्ताम् सोषीरन्...।

लुङ्—असोष्ट असोषाताम् असोषत, इत्यादि।

लृङ्—असोष्यत असोष्येताम् असोष्यन्त ,,

---

26. आप् (आप्लृ व्याप्तौ) परस्मैपदी।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | आप्नोति | आप्नुतः | आप्नुवन्ति |
| | आप्नोषि | आप्नुथः | आप्नुथ |
| | आप्नोमि | आप्नुवः | आप्नुमः |

लिट्—आप आपतुः आपुः, इत्यादि।

लुट्—आप्ता आप्तारौ आप्तारः ,,

लृट्—आप्स्यति आप्स्यतः आप्स्यन्ति इत्यादि ।

लोट्. आप्नोतु, आप्नुतात् आप्नुताम् आप्नुवन्तु
आप्नुहि, आप्नुतात् आप्नुतम् आप्नुत
आप्नवानि आप्नवाव आप्नवाम

लङ्. आप्नोत् आप्नुताम् आप्नुवन्
आप्नोः आप्नुतम् आप्नुत
आप्नवम् आप्नुव आप्नुम

विधिलिङ्—आप्नुयात् आप्नुयाताम् आप्नुयुः... ।

आशीर्लिङ्—आप्यात् आप्यास्ताम् आप्यासुः... ।

लुङ्. आपत् आपताम् आपन्
आपः आपतम् आपत
आपम् आपाव आपाम

लृङ्—आप्स्यत् आप्स्यताम् आप्स्यन् इत्यादि ।

---

27. अश् (अशू व्याप्तौ संघाते च) आत्मनेपदी ।

लट्. अश्नुते अश्नुवाते अश्नुवते
अश्नुषे अश्नुवाथे अश्नुध्वे
अश्नुवे अश्नुवहे अश्नुमहे

लिट्—आनशे आनशाते आनशिरे, इत्यादि ।

लुट्—अशिता } अशितारौ } अशितारः }
अष्टा } अष्टारौ } अष्टारः } "

लृट्—अशिष्यते } अशिष्येते } अशिष्यन्ते }
अक्ष्यते } अक्ष्येते } अक्ष्यन्ते } "

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | अश्नुताम् | अश्नुवाताम् | अश्नुवताम् |
| | अश्नुष्व | अश्नुवाथाम् | अश्नुध्वम् |
| | अश्नवै | अश्नवावहै | अश्नवामहै |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लङ्. | आश्नुत | आश्नुवाताम् | आश्नुवत |
| | आश्नुथाः | आश्नुवाथाम् | आश्नुध्वम् |
| | आश्नुवि | आश्नुवहि | आश्नुमहि |

विधिलिङ्—अश्नुवीत अश्नुवीयाताम् अश्नुवीरन्, इत्यादि ।

आशीर्लिङ्—

अशिषीष्ट } अशिषीयास्ताम् } अशिषीरन् }
अक्षीष्ट } अक्षीयास्ताम् } अक्षीरन् }

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | आशिष्ट | आशिषाताम् | आशिषत |
| | आशिष्ठाः | आशिषाथाम् | आशिड्ढ्वम् |
| | आशिषि | आशिष्वहि | आशिष्महि |
| यद्वा— | आष्ट | आक्षाताम् | आक्षत |
| | आष्ठाः | आक्षाथाम् | आड्ढ्वम् |
| | आक्षि | आक्ष्वहि | आक्ष्महि |

लृङ्—आशिष्यत, आक्ष्यत इत्यादि ।

---

## अथ तुदादयः ॥

28. तुद् (तुद व्यथने) उभयपदी ।

परस्मैपदे—

लट्—तुदति तुदतः तुदन्ति, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लिट्. | तुतोद | तुतुदतुः | तुतुदुः |
| | तुतोदिथ | तुतुदथुः | तुतुद |
| | तुतोद | तुतुदिव | तुतुदिम |

लुट्—तोत्ता तोत्तारौ तोत्तारः, इत्यादि ।

लृट्—तोत्स्यति तोत्स्यतः तोत्स्यन्ति ,,

लोट्—तुदतु, तुदतात् तुदताम् तुदन्तु इत्यादि।
लङ्—अतुदत् अतुदताम् अतुदन् „
विधिलिङ्—तुदेत् तुदेताम् तुदेयुः „
आशीर्लिङ्—तुद्यात् तुद्यास्ताम् तुद्यासुः „
लुङ्, अतौत्सीत् अतौत्ताम् अतौत्सुः
अतौत्सीः अतौत्तम् अतौत्त
अतौत्सम् अतौत्स्व अतौत्स्म
लृङ्—अतोत्स्यत् अतोत्स्यताम् अतोत्स्यन् ...।

आत्मनेपदे—

लट्—तुदते तुदेते तुदन्ते इत्यादि।
लिट्—तुतुदे तुतुदाते तुतुदिरे „
लुट्—तोत्तासे तोत्तासाथे तोत्ताध्वे, (मध्यमः)
लृट्—तोत्स्यते तोत्स्येते तोत्स्यन्ते, इत्यादि।
लोट्—तुदताम् तुदेताम् तुदन्ताम् „
लङ्—अतुदत अतुदेताम् अतुदन्त „
विधिलिङ्—तुदेत तुदेयाताम् तुदेरन् „

आशीर्लिङ्—तुत्सीष्ट तुत्सीयास्ताम् तुत्सीरन् ...।
लुङ्—अतुत्त अतुत्साताम् अतुत्सत इत्यादि।
लृङ्—अतोत्स्यत अतोत्स्येताम् अतोत्स्यन्त ,,

---

29. कॄ (कॄ विक्षेपे) परस्मैपदी।

लट्—किरति किरतः किरन्ति इत्यादि।
लिट्—चकार चकरतुः चकरुः ,,
लुट्—करिता, करीता ,,
लृट्—करिष्यति, करीष्यति ,,
लोट्—किरतु, किरतात् किरताम् किरन्तु ,,
लङ्—अकिरत् अकिरताम् अकिरन् ,,
विधिलिङ्—किरेत् किरेताम् किरेयुः ,,
आशीर्लिङ्—कीर्यात् कीर्यास्ताम् कीर्यासुः ,,
लुङ्—अकारीत् अकारिष्टाम् अकारिषुः ,,
लृङ्—अकरिष्यत् अकरीष्यत् ,,

---

30. सृज् (सृज विसर्गे) परस्मैपदी।

लट्—सृजति सृजतः सृजन्ति, इत्यादि।

लिट्. ससर्ज सस्रृजतुः सस्रृजुः
ससर्जिथ, सस्रष्ठ सस्रृजथुः सस्रृज
ससर्ज सस्रृजिव सस्रृजिम

लुट्—स्रष्टा स्रष्टारौ स्रष्टारः, इत्यादि ।

लृट्—स्रक्ष्यति स्रक्ष्यतः स्रक्ष्यन्ति ,,

लोट्—सृजतु-सृजतात् सृजतां सृजन्तु ,,

लङ्—असृजत् असृजताम् असृजन् ,,

विधिलिङ्—सृजेत् सृजेताम् सृजेयुः ,,

आशीर्लिङ्—सृज्यात् सृज्यास्तां सृज्यासुः ,,

लुङ्—अस्राक्षीत् अस्राष्टाम् अस्राक्षुः ,,

लृङ्—अस्रक्ष्यत् अस्रक्ष्यताम् अस्रक्ष्यन् ,,

---

31. मृ (मृङ् प्राणत्यागे) आत्मनेपदी । *

लट्—म्रियते म्रियेते म्रियन्ते इत्यादि ।

लिट्. *ममार मम्रतुः मम्रुः
ममर्थ मम्रथुः मम्र
ममार, ममर मम्रिव मम्रिम

---

*लिट्-लुट्-लृट्-लृङ्क्षु परस्मैपदिवत् रूपाणि ।

लुट्. मर्ता मर्तारौ मर्तारः
मर्तासि मर्तास्थः मर्तास्थ
मर्तास्मि मर्तास्वः मर्तास्मः

लृट्—मरिष्यति मरिष्यतः मरिष्यन्ति इत्यादि ।

लोट्—म्रियताम् म्रियेताम् म्रियन्ताम् ,,

लङ्—अम्रियत अम्रियेताम् अम्रियन्त ,,

विधिलिङ्—म्रियेत म्रियेयाताम् म्रियेरन् ,,

आशीर्लिङ्—मृषीष्ट मृषीयास्ताम् मृषीरन् ,,

लुङ्—अमृत अमृषाताम् अमृषत ,,

लृङ्—अमरिष्यत् अमरिष्यताम् अमरिष्यन् ,,

---

32. मुच् (मुच्लृ मोक्षणे) उभयपदी ।

परस्मैपदे—

लट्—मुञ्चति मुञ्चतः मुञ्चन्ति इत्यादि ।

लिट्—मुमोच मुमुचतुः मुमुचुः ,,

लुट्—मोक्तासि मोक्तास्थः मोक्तास्थ (मध्यमः)

लृट्—मोक्ष्यति मोक्ष्यतः मोक्ष्यन्ति इत्यादि ।

लोट्—मुञ्चतु-मुञ्चतात् मुञ्चताम् मुञ्चन्तु इत्यादि ।

लङ्—अमुञ्चत् अमुञ्चताम् अमुञ्चन् ,,

विधिलिङ्—मुञ्चेत् मुञ्चेताम् मुञ्चेयुः ,,

आशीर्लिङ्—मुच्यात् मुच्यास्ताम् मुच्यासुः ,,

लुङ्—अमुचत् अमुचताम् अमुचन् ,,

लृङ्—अमोक्ष्यत् अमोक्ष्यताम् अमोक्ष्यन् ,,

आत्मनेपदे—

लट्—मुञ्चते मुञ्चेते मुञ्चन्ते इत्यादि ।

लिट्—मुमुचे मुमुचाते मुमुचिरे ,,

लुट्—मोक्तासे मोक्तासाथे मोक्ताध्वे (मध्यमः)

लृट्—मोक्ष्यते मोक्ष्येते मोक्ष्यन्ते इत्यादि ।

लोट्—मुञ्चताम् मुञ्चेताम् मुञ्चन्ताम् ,,

लङ्—अमुञ्चत अमुञ्चेताम् अमुञ्चन्त ,,

विधिलिङ्—मुञ्चेत मुञ्चेयाताम् मुञ्चेरन् ,,

आशीर्लिङ्—मुक्षीष्ट मुक्षीयास्ताम् मुक्षीरन् ,,

लुङ्—अमुक्त अमुक्षाताम् अमुक्षत ,,

लृङ्—अमोक्ष्यत अमोक्ष्येताम् अमोक्ष्यन्त ,,

# अथ रुधादयः ॥

## 33. रुध् (रुधिर् आवरणे) उभयपदी ।

परस्मैपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | रुणद्धि | रुन्धः | रुन्धन्ति |
| | रुणत्सि | रुन्धः | रुन्ध |
| | रुणध्मि | रुन्ध्वः | रुन्ध्मः |

लिट्—रुरोध रुरुधतुः रुरुधुः, इत्यादि ।

लुट्—रोद्धासि रोद्धास्थः रोद्धास्थ (मध्यमः)

लृट्—रोत्स्यति रोत्स्यतः रोत्स्यन्ति इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | रुणद्धु, रुन्धात् | रुन्धाम् | रुन्धन्तु |
| | रुन्धि, रुन्धात् | रुन्धम् | रुन्ध |
| | रुणधानि | रुणधाव | रुणधाम |
| लङ्. | अरुणत् | अरुन्धाम् | अरुन्धन् |
| | अरुणत् / अरुणः | अरुन्धम् | अरुन्ध |
| | अरुणधम् | अरुन्ध्व | अरुन्ध्म |

विधिलिङ्—रुन्ध्यात् रुन्ध्याताम् रुन्ध्युः, इत्यादि ।

आशीर्लिङ्—रुध्यात् रुध्यास्ताम् रुध्यासुः ,,

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | अरौत्सीत् | अरौद्धाम् | अरौत्सुः |
| | अरौत्सीः | अरौद्धम् | अरौद्ध |
| | अरौत्सम् | अरौत्स्व | अरौत्स्म |
| यद्वा— | अरुधत् | अरुधताम् | अरुधन् |
| | अरुधः | अरुधतम् | अरुधत |
| | अरुधम् | अरुधाव | अरुधाम |

लृङ्—अरोत्स्यत् अरोत्स्यताम् अरोत्स्यन् ...।

आत्मनेपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | रुन्धे | रुन्धाते | रुन्धते |
| | रुन्त्से | रुन्धाथे | रुन्ध्वे |
| | रुन्धे | रुन्ध्वहे | रुन्ध्महे |

लिट्—रुरुधे रुरुधाते रुरुधिरे, इत्यादि ।

लुट्—रोद्धासे रोद्धासाथे रोद्धाध्वे (मध्यमः)

लृट्—रोत्स्यते रोत्स्येते रोत्स्यन्ते इत्यादि।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | रुन्धाम् | रुन्धाताम् | रुन्धताम् |
| | रुन्त्स्व | रुन्धाथाम् | रुन्ध्वम् |
| | रुणधै | रुणधावहै | रुणधामहै |
| लङ्. | अरुन्ध | अरुन्धाताम् | अरुन्धत |
| | अरुन्धाः | अरुन्धाथाम् | अरुन्ध्वम् |
| | अरुन्धि | अरुन्ध्वहि | अरुन्ध्महि |

विधिलिङ्—रुन्धीत रुन्धीयाताम् रुन्धीरन् इत्यादि ।

आशीर्लिङ्—रुत्सीष्ट रुत्सीयास्ताम् रुत्सीरन् ,,

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | अरुद्ध | अरुत्साताम् | अरुत्सत |
| | अरुद्धाः | अरुत्साथाम् | अरुद्ध्वम् |
| | अरुत्सि | अरुत्स्वहि | अरुत्स्महि |

लृङ्—अरोत्स्यत अरोत्स्येताम् अरोत्स्यन्त...।

---

34. भिद् (भिदिर् विदारणे) उभयपदी ।

परस्मैपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | भिनत्ति | भिन्तः | भिन्दन्ति |
| | भिनत्सि | भिन्थः | भिन्थ |
| | भिनद्मि | भिन्द्वः | भिन्द्मः |

लिट्—बिभेद बिभिदतुः बिभिदुः, इत्यादि ।

लुट्—भेत्तासि भेत्तास्थः भेत्तास्थ (मध्यमः)

लृट्—भेत्स्यति भेत्स्यतः भेत्स्यन्ति, इत्यादि ।

लोट्. भिनत्तु, भिन्तात् भिन्ताम् भिन्दन्तु<br>
भिन्धि, भिन्तात् भिन्तम् भिन्त<br>
भिनदानि भिनदाव भिनदाम

लङ्. अभिनत् अभिन्ताम् अभिन्दन्<br>
अभिनत्, अभिनः अभिन्तम् अभिन्त<br>
अभिनदम् अभिन्द्व अभिन्द्म

विधिलिङ्—भिन्द्यात् भिन्द्याताम् भिन्द्युः, इत्यादि ।

आशीर्लिङ्—भिद्यात् भिद्यास्ताम् भिद्यासुः „

लुङ्—अभैत्सीत् अभैत्ताम् अभैत्सुः „

यद्वा—अभिदत् अभिदताम् अभिदन् „

लृङ्—अभेत्स्यत् अभेत्स्यताम् अभेत्स्यन् „

आत्मनेपदे—

लट्—भिन्ते भिन्दाते भिंन्दते, इत्यादि ।

लिट्—बिभिदे बिभिदाते बिभिदिरे „

लुट्—भेत्तासे भेत्तासाथे भेत्ताध्वे (मध्यमः)

लृट्—भेत्स्यते भेत्स्येते भेत्स्यन्ते, इत्यादि।

लोट्—भिन्ताम् भिन्दाताम् भिन्दताम् „

लङ्—अभिन्त अभिन्दाताम् अभिन्दत „

विधिलिङ्—भिन्दीत भिन्दीयाताम् भिन्दीरन् „

आशीर्लिङ्—भित्सीष्ट भित्सीयास्ताम् भित्सीरन् „

लुङ्—अभित्त अभित्साताम् अभित्सत „

लृङ्—अभेत्स्यत अभेत्स्येताम् अभेत्स्यन्त „

---

## अथ तनादयः ॥

35. तन् (तनु विस्तारे) उभयपदी।

परस्मैपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | तनोति | तनुतः | तन्वन्ति |
| | तनोषि | तनुथः | तनुथ |
| | तनोमि | तनुवः, तन्वः | तनुमः, तन्मः |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लिट्. | ततान | तेनतुः | तेनुः |
| | तेनिथ | तेनथुः | तेन |
| | ततान, ततन | तेनिव | तेनिम |

लुट्—तनिता तनितारौ तनितारः, इत्यादि।

लृट्—तनिष्यति तनिष्यतः तनिष्यन्ति, इत्यादि।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | तनोतु, तनुतात् | तनुताम् | तन्वन्तु |
| | तनु, तनुतात् | तनुतम् | तनुत |
| | तनवानि | तनवाव | तनवाम |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लङ्. | अतनोत् | अतनुताम् | अतन्वन् |
| | अतनोः | अतनुतम् | अतनुत |
| | अतनवम् | अतनुव, अतुन्व | अतनुम, अतन्म |

विधिलिङ्—तनुयात् तनुयाताम् तनुयुः, इत्यादि।

आशीर्लिङ्—तन्यात् तन्यास्ताम् तन्यासुः ,,

लुङ्—अतनीत् / अतानीत् } अतनिष्टाम् / अतानिष्टाम् } अतनिषुः / अतानिषुः } ...

लृङ्—अतनिष्यत् अतनिष्यताम् अतनिष्यन्...

आत्मनेपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | तनुते | तन्वाते | तन्वते |
| | तनुषे | तन्वाथे | तनुध्वे |
| | तन्वे, | तनुवहे, तन्वहे | तनुमहे, तन्महे |

लिट्—तेने तेनाते तेनिरे, इत्यादि।

लुट्—तनितासे तनितासाथे तनिताध्वे (मध्यमः)

लृट्—तनिष्यते तनिष्येते तनिष्यन्ते, इत्यादि।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | तनुताम् | तन्वाताम् | तन्वताम् |
| | तनुष्व | तन्वाथाम् | तनुध्वम् |
| | तनवै | तनवावहै | तनवामहै |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लङ्. | अतनुत | अतन्वाताम् | अतन्वत |
| | अतनुथाः | अतन्वाथाम् | अतनुध्वम् |
| | अतन्वि | अतनुवहि / अतन्वहि | अतनुमहि / अतन्महि |

विधिलिङ्—तन्वीत तन्वीयाताम् तन्वीरन्,...।

आशीर्लिङ्—तनिषीष्ट तनिषीयास्ताम् तनिषीरन्,,

लुङ्—अतनिष्ट, अतत अतनिषाताम् अतनिषत
अतनिष्ठाः }
अतथाः } अतनिषाथाम् अतनिढ्वम्
अतनिषि अतनिष्वहि अतनिष्महि
लृङ्—अतनिष्यत अतनिष्येताम् अतनिष्यन्त...

---

36. कृ (डु कृञ् करणे) उभयपदी।

परस्मैपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | करोति | कुरुतः | कुर्वन्ति |
| | करोषि | कुरुथः | कुरुथ |
| | करोमि | कुर्वः | कुर्मः |
| लिट्. | चकार | चक्रतुः | चक्रुः |
| | चकर्थ | चक्रथुः | चक्र |
| | चकार, चकर | चकृव | चकृम |

लुट्—कर्ता कर्तारौ कर्तारः, इत्यादि।
लृट्—करिष्यति करिष्यतः करिष्यन्ति ,,

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | करोतु, कुरुतात् | कुरुताम् | कुर्वन्तु |
| | कुरु, कुरुतात् | कुरुतम् | कुरुत |
| | करवाणि | करवाव | करवाम |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लङ्. | अकरोत् | अकुरुताम् | अकुर्वन् |
| | अकरोः | अकुरुतम् | अकुरुत |
| | अकरवम् | अकुर्व | अकुर्म |

विधिलिङ्—कुर्यात् कुर्याताम् कुर्युः, इत्यादि ।

आशीर्लिङ्—क्रियात् क्रियास्ताम् क्रियासुः ,,

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | अकार्षीत् | अकार्ष्टाम् | अकार्षुः |
| | अकार्षीः | अकार्ष्टम् | अकार्ष्ट |
| | अकार्षम् | अकार्ष्व | अकार्ष्म |

लृङ्—अकरिष्यत् अकरिष्यताम् अकरिष्यन् ...।

आत्मनेपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | कुरुते | कुर्वाते | कुर्वते |
| | कुरुषे | कुर्वाथे | कुरुध्वे |
| | कुर्वे | कुर्वहे | कुर्महे |
| लिट्. | चक्रे | चक्राते | चक्रिरे |
| | चकृषे | चक्राथे | चकृढ्वे |
| | चक्रे | चकृवहे | चकृमहे |

लुट्—कर्तासे कर्तासाथे कर्ताध्वे (मध्यमः)

लृट्—करिष्यते करिष्येते करिष्यन्ते, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | कुरुताम् | कुर्वाताम् | कुर्वताम् |
| | कुरुष्व | कुर्वाथाम् | कुरुध्वम् |
| | करवै | करवावहै | करवामहै |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लङ्. | अकुरुत | अकुर्वाताम् | अकुर्वत |
| | अकुरुथाः | अकुर्वाथाम् | अकुरुध्वम् |
| | अकुर्वि | अकुर्वहि | अकुर्महि |

विधिलिङ्—कुर्वीत कुर्वीयाताम् कुर्वीरन् इत्यादि ।

आशीर्लिङ्—कृषीष्ट कृषीयास्ताम् कृषीरन् ,,

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | अकृत | अकृषाताम् | अकृषत |
| | अकृथाः | अकृषाथाम् | अकृढ्वम् |
| | अकृषि | अकृष्वहि | अकृष्महि |

लृङ्—अकरिष्यत अकरिष्येताम् अकरिष्यन्त ,,

---

# अथ क्र्यादयः ॥

37. क्री (डु क्रीञ् द्रव्यविनिमये) उभयपदी ।

परस्मैपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | क्रीणाति | क्रीणीतः | क्रीणन्ति |
| | क्रीणासि | क्रीणीथः | क्रीणीथ |
| | क्रीणामि | क्रीणीवः | क्रीणीमः |
| लिट्. | चिक्राय | चिक्रियतुः | चिक्रियुः |
| | चिक्रयिथ, चिक्रेथ | चिक्रियथुः | चिक्रिय |
| | चिक्राय, चिक्रय | चिक्रियिव | चिक्रियिम |

लुट्—क्रेता क्रेतारौ क्रेतारः, इत्यादि ।

लृट्—क्रेष्यति क्रेष्यतः क्रेष्यन्ति ,,

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | क्रीणातु, क्रीणीतात् | क्रीणीताम् | क्रीणन्तु |
| | क्रीणीहि, क्रीणीतात् | क्रीणीतम् | क्रीणीत |
| | क्रीणानि | क्रीणाव | क्रीणाम |
| लङ्. | अक्रीणात् | अक्रीणीताम् | अक्रीणन् |
| | अक्रीणाः | अक्रीणीतम् | अक्रीणीत |
| | अक्रीणाम् | अक्रीणीव | अक्रीणीम |

विधिलिङ्—क्रीणीयात् क्रीणीयाताम् क्रीणीयुः...

आशीर्लिङ्—क्रीयात् क्रीयास्ताम् क्रीयासुः...

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | अक्रैषीत् | अक्रैष्टाम् | अक्रैषुः |
| | अक्रैषीः | अक्रैष्टम् | अक्रैष्ट |
| | अक्रैषम् | अक्रैष्व | अक्रैष्म |

लृङ्—अक्रेष्यत् अक्रेष्यताम् अक्रेष्यन् इत्यादि ।

आत्मनेपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | क्रीणीते | क्रीणाते | क्रीणते |
| | क्रीणीषे | क्रीणाथे | क्रीणीध्वे |
| | क्रीणे | क्रीणीवहे | क्रीणीमहे |
| लिट्. | चिक्रिये | चिक्रियाते | चिक्रियिरे |
| | चिक्रियिषे | चिक्रियाथे | चिक्रियिढ्वे-ध्वे |
| | चिक्रिये | चिक्रियिवहे | चिक्रियिमहे |

लुट्—क्रेतासे क्रेतासाथे क्रेताध्वे (मध्यमः)

लृट्—क्रेष्यते क्रेष्येते क्रेष्यन्ते, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | क्रीणीताम् | क्रीणाताम् | क्रीणताम् |
| | क्रीणीष्व | क्रीणाथाम् | क्रीणीध्वम् |
| | क्रीणै | क्रीणावहै | क्रीणामहै |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लङ्. | अक्रीणीत | अक्रीणाताम् | अक्रीणत |
| | अक्रीणीथाः | अक्रीणाथाम् | अक्रीणीध्वम् |
| | अक्रीणि | अक्रीणीवहि | अक्रीणीमहि |

विधिलिङ्—क्रीणीत क्रीणीयाताम् क्रीणीरन् ...।

आशीर्लिङ्—क्रेषीष्ट क्रेषीयास्ताम् क्रेषीरन् ...।

लुङ्—अक्रेष्ट अक्रेषाताम् अक्रेषत इत्यादि।

लृङ्—अक्रेष्यत अक्रेष्येताम् अक्रेष्यन्त ,,

---

38. ज्ञा (ज्ञा अवबोधने) परस्मैपदी।
उपसर्गाभावे आत्मनेपद्यपि।

परस्मैपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | जानाति | जानीतः | जानन्ति |
| | जानासि | जानीथः | जानीथ |
| | जानामि | जानीवः | जानीमः |
| लिट्. | जज्ञौ | जज्ञतुः | जज्ञुः |
| | जज्ञिथ-जज्ञाथ | जज्ञथुः | जज्ञ |
| | जज्ञौ | जज्ञिव | जज्ञिम |

लुट्—ज्ञातासि ज्ञातास्थः ज्ञातास्थ (मध्यमः)

लृट्—ज्ञास्यति ज्ञास्यतः ज्ञास्यन्ति इत्यादि।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | जानातु, जानीतात् | जानीताम् | जानन्तु |
| | जानीहि, जानीतात् | जानीतम् | जानीत |
| | जानानि | जानाव | जानाम |
| लङ्. | अजानात् | अजानीताम् | अजानन् |
| | अजानाः | अजानीतम् | अजानीत |
| | अजानाम् | अजानीव | अजानीम |

विधिलिङ्—जानीयात् जानीयाताम् जानीयुः ...

आशीर्लिङ्—ज्ञायात् ज्ञायास्ताम् ज्ञायासुः ,,

यद्वा—ज्ञेयात् ज्ञेयास्ताम् ज्ञेयासुः ,,

| | | | |
|---|---|---|---|
| लुङ्. | अज्ञासीत् | अज्ञासिष्टाम् | अज्ञासिषुः |
| | अज्ञासीः | अज्ञासिष्टम् | अज्ञासिष्ट |
| | अज्ञासिषम् | अज्ञासिष्व | अज्ञासिष्म |

लृङ्—अज्ञास्यत् अज्ञास्यताम् अज्ञास्यन् इत्यादि।

आत्मनेपदे—

| | | | |
|---|---|---|---|
| लट्. | जानीते | जानाते | जानते |
| | जानीषे | जानाथे | जानीध्वे |
| | जाने | जानीवहे | जानीमहे |

लिट्—जज्ञे जज्ञाते जज्ञिरे इत्यादि ।

लुट्—ज्ञातासे ज्ञातासाथे ज्ञाताध्वे (मध्यमः)

लृट्—ज्ञास्यते ज्ञास्येते ज्ञास्यन्ते इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | जानीताम् | जानाताम् | जानताम् |
| | जानीष्व | जानाथाम् | जानीध्वम् |
| | जानै | जानावहै | जानामहै |
| लङ्. | अजानीत | अजानाताम् | अजानत |
| | अजानीथाः | अजानाथाम् | अजानीध्वम् |
| | अजानि | अजानीवहि | अजानीमहि |

विधिलिङ्—जानीत जानीयाताम् जानीरन् इत्यादि ।

आशीर्लिङ्—ज्ञासीष्ट ज्ञासीयास्ताम् ज्ञासीरन् ,,

लुङ्—अज्ञास्त अज्ञासाताम् अज्ञासत ,,

लृङ्—अज्ञास्यत अज्ञास्येताम् अज्ञास्यन्त ,,

---

39. ग्रह् (ग्रह उपादाने) उभयपदी ।

परस्मैपदे—

लट्—गृह्णाति गृह्णीतः गृह्णन्ति, इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लिट्. | जग्राह | जगृहतुः | जगृहुः |
| | जग्रहिथ | जगृहथुः | जगृह |
| | जग्राह, जग्रह | जगृहिव | जगृहिम |

लुट्—ग्रहीतासि ग्रहीतास्थः ग्रहीतास्थ (मध्यमः).

लृट्—ग्रहीष्यति ग्रहीष्यतः ग्रहीष्यन्ति इत्यादि ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| लोट्. | गृह्णातु, गृह्णीतात् | गृह्णीताम् | गृह्णन्तु |
| | गृहाण, गृह्णीतात् | गृह्णीतम् | गृह्णीत |
| | गृह्णानि | गृह्णाव | गृह्णाम |

लङ्—अगृह्णात् अगृह्णीताम् अगृह्णन् इत्यादि ।

विधिलिङ्—गृह्णीयात् गृह्णीयाताम् गृह्णीयुः ,,

आशीर्लिङ्—गृह्यात् गृह्यास्ताम् गृह्यासुः ,,

लुङ्—अग्रहीत् अग्रहीष्टाम् अग्रहीषुः ,,

लृङ्—अग्रहीष्यत् अग्रहीष्यताम् अग्रहीष्यन् ,,

आत्मनेपदे—

लट्—गृह्णीते गृह्णाते गृह्णते इत्यादि ।

लिट्—जगृहे जगृहाते जगृहिरे ,,

लुट्—ग्रहीतासे ग्रहीतासाथे ग्रहीताध्वे (मध्यमः)

लृट्—ग्रहीष्यते ग्रहीष्येते ग्रहीष्यन्ते इत्यादि।
लोट्—गृह्णीताम् गृह्णाताम् गृह्णताम् ,,
लङ्—अगृह्णीत अगृह्णाताम् अगृह्णत ,,
विधिलिङ्—गृह्णीत गृह्णीयाताम् गृह्णीरन् ,,
आशीर्लिङ्—ग्रहिषीष्ट ग्रहिषीयास्ताम् ग्रहिषीरन् ,,
लुङ्—अग्रहीष्ट अग्रहीषाताम् अग्रहीषत ,,
लृङ्—अग्रहीष्यत अग्रहीष्येताम् अग्रहीष्यन्त ,,

---

## अथ चुरादयः ॥

### 40. चुर् (चुर स्तेये) उभयपदी।

परस्मैपदे—

लट्—चोरयति चोरयतः चोरयन्ति इत्यादि।
लिट्—चोरयामास चोरयांबभूव चोरयांचकार ,,
लुट्—चोरयिता चोरयितारौ चोरयितारः ,,
लृट्—चोरयिष्यति चोरयिष्यतः चोरयिष्यन्ति ,,

लोट्—चोरयतु-चोरयतात् चोरयताम्
चोरयन्तु इत्यादि ।

लङ्—अचोरयत् अचोरयताम् अचोरयन् ,,

विधिलिङ्—चोरयेत् चोरयेताम् चोरयेयुः ,,

आशीर्लिङ्—चोर्यात् चोर्यास्ताम् चोर्यासुः ,,

लुङ्—अचूचुरत् अचूचुरताम् अचूचुरन् ,,

लृङ्—अचोरयिष्यत् अचोरयिष्यताम्
अचोरयिष्यन् ,,

आत्मनेपदे—

लट्—चोरयते चोरयेते चोरयन्ते इत्यादि ।

लिट्—चोरयांचक्रे, चोरयामास, चोरयांबभूव ,,

लुट्—चोरयितासे चोरयितासाथे चोरयिताध्वे
(मध्यमः)

लृट्—चोरयिष्यते चोरयिष्येते चोरयिष्यन्ते इत्यादि ।

लोट्—चोरयताम् चोरयेताम् चोरयन्ताम् ,,

लङ्—अचोरयत अचोरयेताम् अचोरयन्त ,,

विधिलिङ्—चोरयेत चोरयेयाताम् चोरयेरन् ... ।

आशीर्लिङ्—चोरयिषीष्ट चोरयिषीयास्ताम्
चोरयिषीरन् इत्यादि ।

लुङ्—अचूचुरत अचूचुरेताम् अचूचुरन्त ,,

लृङ्—अचोरयिष्यत अचोरयिष्येताम्
अचोरयिष्यन्त ,,

---

41. कथ् (कथ वाक्यप्रबन्धे) उभयपदी ।

परस्मैपदे—

कथयति कथयामास कथयिता कथयिष्यति
कथयतु अकथयत् कथयेत् कथ्यात्
अचकथत् अकथयिष्यत् ।

आत्मनेपदे—

कथयते कथयांचक्रे कथयिता कथयिष्यते
कथयताम् अकथयत कथयेत कथयिषीष्ट
अचकथत अकथयिष्यत ।

---

## Important Suffixes added to Roots.

त (क्त) Past Passive Participle.
त्वा (क्त्वा) Indeclinable past participle.
तुं (तुमुन्) Infinitive of purpose.
अत् (शतृ) *Par.* or आन (शानच्) *Ātm.* = Present participle.

| धातु | त | त्वा | तुं | अत् or आन |
|---|---|---|---|---|
| भू | भूत | भूत्वा | भवितुं | भवत् |
| सह् | सोढ | सोढ्वा | सोढुं | सहमान |
| पच् | पक्व | पक्त्वा | पक्तुं | पचत्, पचमान |
| वह् | ऊढ | ऊढ्वा | वोढुं | वहत्, वहमान |
| वस् | उषित | उषित्वा | वस्तुं | वसत् |
| अद् | जग्ध | जग्ध्वा | अत्तुं | अदत् |
| हन् | हत | हत्वा | हन्तुं | घ्नत् |
| इ | इत | इत्वा | एतुं | यत् |
| अस् | भूत | भूत्वा | भवितुं | सत् |
| शास् | शिष्ट | शासित्वा, शिष्ट्वा | शासितुं | शासत् |
| आस् | आसित | आसित्वा | आसितुं | आसीन |
| शी | शयित | शयित्वा | शयितुं | शयान |
| हु | हुत | हुत्वा | होतुं | जुह्वत् |
| हाPar. | हीन | हित्वा | हातुं | जहत् |
| हाAtm. | हीन | हात्वा | हातुं | जिहान |
| दा | दत्त | दत्त्वा | दातुं | ददत्, ददान |

| धातु | त | त्वा | तुं | अत् or आन |
|---|---|---|---|---|
| धा | हित | हित्वा | धातुं | दधत्, दधान |
| दिव् | द्यूत (आ-द्यून) | देवित्वा<br>द्यूत्वा | देवितुं | दीव्यत् |
| तृप् | तृप्त | तर्पित्वा<br>तृप्त्वा | तर्पितुं<br>तर्प्तुं | तृप्यत् |
| जन् | जात | जनित्वा | जनितुं | जायमान |
| सु | सुत | सुत्वा | सोतुं | सुन्वत् |
| अश् Atm. | अष्ट | अशित्वा<br>अष्ट्वा | अशितुं<br>अष्टुं | अश्नुवान |
| तुद् | तुन्न | तुत्त्वा | तोत्तुं | तुदत्, तुदमान |
| सृज् | सृष्ट | सृष्ट्वा | स्रष्टुं | सृजत् |
| मस्ज् | मग्न | मङ्क्त्वा | मङ्क्तुं | मज्जत् |
| मुच् | मुक्त | मुक्त्वा | मोक्तुं | मुञ्चत्, मुञ्चमान |
| रुध् | रुद्ध | रुद्ध्वा | रोद्धुं | रुन्धत्, रुन्धान |
| भिद् | भिन्न | भित्त्वा | भेत्तुं | भिन्दत्, भिन्दान |
| तन् | तत | तनित्वा<br>तत्वा | तनितुं | तन्वत्, तन्वान |
| कृ | कृत | कृत्वा | कर्तुं | कुर्वत्, कुर्वाण |
| क्री | क्रीत | क्रीत्वा | क्रेतुं | क्रीणत्, क्रीणान |
| ज्ञा | ज्ञात | ज्ञात्वा | ज्ञातुं | जानत्, जानान |
| ग्रह् | गृहीत | गृहीत्वा | ग्रहीतुं | गृह्णत्, गृह्णान |
| कथ | कथित | कथयित्वा | कथयितुं | कथयत्, कथयमान |

## USEFUL SCHOOL TEXT-BOOKS

| | | |
|---|---|---|
| ŚABDA MAÑJARĪ | | As. 10 |
| RAGHUVAṀŚA Cantos 3 & 4 | Text only | As. 5 |
| RAGHUVAṀŚA canto 15 | ,, | As. 5 |

---

*For copies apply to:—*

The Manager,

SRI BALAMANORAMA PRESS,

MYLAPORE, MADRAS.